

अख़बद भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 14 अक्टूबर 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से घटकर 1.54% पर आई

8 महीने के निचले स्तर पर रिटेल महंगाई

नई दिल्ली

13 अक्टूबर को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर महीने में खुदरा मुद्रास्फीति पिछले महीने के 2.07 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई, जिसका मुख्य कारण सब्जियों और दालों सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी रही। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि सितंबर 2025 के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियों, तेल और वसा, फलों, दालों और उत्पादों, अनाज और उत्पादों, अंडे, ईंधन और प्रकाश की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण है। वर्ष-दर-वर्ष खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर 2025 के दौरान वर्ष-दर-वर्ष खाद्य मुद्रास्फीति (-) 2.28 प्रतिशत रही, जबकि अगस्त में यह (-) 0.64 प्रतिशत और पिछले वर्ष सितंबर में 9.24 प्रतिशत थी। अक्टूबर की अपनी द्विमासिक



मौद्रिक नीति में, रिजर्व बैंक ने 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को अगस्त के 3.1 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया। वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान के बारे में, आरबीआई ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की अच्छी प्रगति, खरीफ की अच्छी बुवाई, पर्याप्त जलाशय स्तर और खाद्यान्नों के पर्याप्त बफर स्टॉक से खाद्य कीमतों को नरम बनाए रखने में मदद मिलेगी।

फहक को बड़ी राहत मुद्रास्फीति में गिरावट ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी राहत दी है। हाल ही में, अक्टूबर में अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के

दौरान, फहक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को अगस्त में अनुमानित 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा दक्षिण-पश्चिम मानसून की अच्छी प्रगति, खरीफ फसल की बुवाई में वृद्धि, जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर और खाद्यान्नों का अच्छा भंडार खाद्य कीमतों को नियंत्रण में रखने में मदद करेगा। विश्लेषकों का मानना ​​​​? है कि मुद्रास्फीति में यह उल्लेखनीय गिरावट फहक को भविष्य में नीतिगत दरों पर नरम रख अपनाने की अधिक गुंजाइश प्रदान कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलेगा।

कनाडा की विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यात्रा से द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति मिलेगी

नई दिल्ली

कनाडा की विदेश मंत्री सुश्री अनीता आनंद ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने विदेश मंत्री सुश्री आनंद का स्वागत किया और बताया कि उनकी यात्रा भारत-कनाडा द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति प्रदान करने के लिए मौजूदा प्रयासों में योगदान देगी। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष जून में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा

की अपनी यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मार्क कार्नी के साथ अत्यंत उपयोगी बैठक की थी। प्रधानमंत्री ने व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और जन-जन के संबंधों में दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग के महत्व के बारे में बताया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री श्री मार्क कार्नी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे



उनके आगामी कार्यक्रमों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

● प्रधानमंत्री ने व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और जन-जन के संबंधों में दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग के महत्व के बारे में बताया

मुलाकात...



आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

शिवराज सिंह लुधियाना में अग्रणी कृषि संस्थानों का दौरा करने के साथ किसानों से संवाद करेंगे

लुधियाना केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 14 अक्टूबर को लुधियाना (पंजाब) के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अनेक कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे एवं अग्रणी कृषि संस्थानों का दौरा करने के साथ किसानों व दीर्घियों से संवाद भी करेंगे। साथ ही, पंजाब के बाढ़ प्रभावितों निवासियों के मकानों के पुनर्निर्माण के लिए मौके पर केन्द्र की ओर से मंजूरी पत्र सौंपेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज

सिंह चौहान सुबह दिल्ली से प्रस्थान कर चंडीगढ़ होते हुए लुधियाना पहुंचेंगे। उनके लुधियाना कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन के उद्घाटन से होगी। इसी संस्थान परिसर में वे ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं के लाभार्थियों और महिला स्वयं सहायता समूहों की दीर्घियों से संवाद भी करेंगे। इसके बाद शिवराज सिंह पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे।

स्टालिन सरकार को फटकार, कर्नर भगदड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट में जाने क्या हुआ

पूर्व जज की अध्यक्षता में बनी 3-सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली

कर्नर भगदड़ की भयावह त्रासदी से त्रस्त सर्वोच्च न्यायालय ने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार को कड़ी फटकार लगाई है और पूरे मामले से निपटने के उसके तरीके की आलोचना करते हुए उसके त्वैए को ध्वस्त कर दिया है। अपने तीखे और जोरदार फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) को जाँच अपने हाथ में लेने का आदेश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय का लहजा



निश्चित रूप से सख्त था। उसने कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा मामले को संभालने में संवेदनशीलता और औचित्य का

अभाव था और न्यायिक अनुशासन पर गंभीर चिंताएँ जताईं, खासकर तब जब एकल न्यायाधीश की पीठ ने इस मामले को अपने हाथ में ले

लिया, जबकि इसी मुद्दे पर कार्यवाही पहले से ही मंजूर पीठ के समक्ष चल रही थी। यह न्यायिक फटकार सत्तारूढ़ डीएमके सरकार के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी का कारण है, जिसे कर्नर त्रासदी के बाद की कहानी और प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला माना जा रहा था। राज्य सरकार द्वारा अपनी प्रशासनिक मशीनरी के माध्यम से जाँच को आगे बढ़ाने का प्रयास और मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा उस मार्ग का समर्थन, दोनों अब रद्द कर दिए गए हैं।

शाह ने 4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग का उद्घाटन किया

राजस्थान

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजस्थान में 4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग का आज जयपुर में उद्घाटन किया और तीन नए आपराधिक कानूनों पर राज्यस्तरीय प्रदर्शनी, राजस्थान सरकार के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय गृह सचिव श्री गोविंद मोहन सहित अनेक गणमान्य



व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का कार्यक्रम विकास और न्याय का समन्वय करने वाला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में

आमूलचूल परिवर्तन करने वाले और सविधान प्रदत्त अधिकारों को देश की जनता को सुलभ तरीके से उपलब्ध कराने वाले तीन नए आपराधिक कानूनों का परिचय करने वाली एक अत्याधुनिक प्रदर्शनी शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के विकास को गति देने के लिए राजर्जंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के टडवर में से 3 लाख करोड़ के टडवर जमीन पर उतर चुके थे और आज 4 लाख करोड़ के और टडवर का भूमिपूजन हुआ है।

जन सुराज ने उतारे 65 और उम्मीदवार

बिहार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने बिहार चुनाव 2025 के लिए 65 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिससे कुल घोषित प्रत्याशी 116 हो गए हैं; हालाँकि, प्रशांत किशोर का नाम इसमें फिर गायब रहा, जबकि उनके तेजस्वी यादव के खिलाफ राधोपुर से चुनाव लड़ने की चर्चा है। पार्टी ने अत्यंत पिछड़े वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और मुस्लिम समुदायों पर केंद्रित एक संतुलित जाति समीकरण के साथ चुनावी रणनीति तैयार की है, जो बिहार की जटिल राजनीति को दर्शाती है।

दिवाली के पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

गोरखपुर

उत्तर प्रदेश में खाद्य विभाग ने दिवाली से पहले मिलावट के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है, लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों पर अधिकारियों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. रूपी के गोरखपुर में खाद्य विभाग ने मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया. कानपुर से गोरखपुर आ रहा 1 हजार किलो मिलावटी खोवा खाद्य विभाग ने जप्त किया है. दरअसल, गोरखपुर-वाराणसी मार्ग पर महोब के पास खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने सुबह 4:00 बजे ग्राइडेट बस स्टैंड पर छापेमार कार्रवाई की।

आईईडी धमाकों के बाद सारंडा में फिर नक्सलियों का तांडव

मोबाइल टावर जलाकर दहशत फैलाई



दबदबा अभी भी कायम है। माना जा रहा है कि उनका मकसद इलाके में संचार व्यवस्था को बाधित करना था ताकि सुरक्षा बलों की गतिविधियों की जानकारी

प्रसारित न हो सके। आगजनी के जवाब में सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान तेज कर दिया है। यह घटना नक्सलियों के एक समूह द्वारा तीन अलग-

अलग जगहों पर विशेष रूप से सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाकर किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोटों के तुरंत बाद हुई है। इन हमलों में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और वर्तमान में दिल्ली में उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, गलत में तलाशी अभियान जारी है और नक्सलियों की हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने कहा कि चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों ने नक्सलियों को काफी कमजोर कर दिया है।

'डरा हुआ विपक्ष देश में तानाशाहों को जन्म देता है', मायावती की रैली को लेकर बोले राकेश टिकैत

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में 9 अक्तूबर को आयोजित हुई बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की महारेली में कुछ ऐसा हुई जिसकी किसी ने भी कल्पना नहीं की थी. इस रैली में बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंच से योगी सरकार की जमकर तारीफ की और इसके बाद पूर्व सीएम विरोधियों के निशाने पर आ गईं. वहीं इस मामले पर अब किसान नेता राकेश टिकैत की भी प्रतिक्रिया सामने आई है. मायावती के बयान के बाद शुरू हुई बयानबाजी पर



किसान नेता राकेश टिकैत ने विपक्ष को डरा हुआ बता दिया है. श्रावस्ती में मीडिया से बात करते हुए किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने विपक्ष को

डारकर तोड़ दिया है और विपक्ष आपस में लड़ाई लड़ रहा है. इसके साथ ही राकेश टिकैत ने कहा कि डरा हुआ विपक्ष देश में तानाशाहों को जन्म देता है।

साहा की सीतारमण से बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की अधिकतम सीमा बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली

साहा ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर लिखा, आज नयी दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) की अधिकतम सीमा बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई क्योंकि शहरी विकास, पर्यटन एवं अग्रतला नगर निगम के अंतर्गत आने वाली कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं वर्तमान अधिकतम सीमा के कारण लंबित हैं। केन्द्र ने अगले तीन वर्ष के लिए त्रिपुरा के लिए बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की अधिकतम सीमा 4,000 करोड़ रुपये निर्धारित की



है। अधिकारियों ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में वेतन, पेंशन एवं ऋण पर ब्याज जैसे गैर-योजनागत व्यय को पूरा करने के बाद त्रिपुरा के पास करीब 10,000 करोड़ रुपये होंगे। मुख्यमंत्री ने पहले बताया था कि

इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्य को 10,000 करोड़ रुपये में से 25 प्रतिशत त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) को और 10 प्रतिशत स्थानीय निकायों को देना होगा।

नई दिल्ली

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि सरकार के महत्वाकांक्षी पीएम गति शक्ति मिशन, जिसका उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचे में बदलाव लाना और लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार लाना है, ने सभी क्षेत्रों में स्पष्ट प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। भारत मंडपम में आयोजित पीएम गति शक्ति की चौथी वर्षगांठ पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लॉजिस्टिक्स लागत, जो लंबे समय से भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए एक

चुनौती रही है, अब कम हो रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक रिलेड आई थी जिसमें दिखाया गया था कि लॉजिस्टिक्स लागत में काफी कमी आने लगी है, खासकर अंतिम-मील कनेक्टिविटी में सुधार के साथ। पीयूष गोयल ने बताया कि पहले, उद्योगों को ट्रक से रेल तक सामग्री के कई बार स्थानांतरण का सामना करना पड़ता था, जिससे अकुशलता और नुकसान होता था। उन्होंने बताया कि खनन और बिजली संयंत्र स्थलों पर सीधी रेलवे साइडिंग निर्माण से इस तरह की बर्बादों में काफी कमी आई



है। मंत्री ने कहा कि खनन स्थल और बिजली संयंत्र स्थल पर सरल अंतिम-मील कनेक्टिविटी बिजली की लागत में भारी अंतर ला सकती है क्योंकि इससे रसद लागत कम हो

जाती है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह दक्षता उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को कैसे लाभ पहुंचाती है। गोयल ने मंत्रालयों, राज्यों और

विभागों में पीएम गति शक्ति पहल की बढ़ती पहुँच के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में, यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय और प्रभावी योजना बनाने के एक साधन के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने आगे कहा, "हर कोई लाभान्वित हो सकता है।" उन्होंने बताया कि इस पहल पर नवीनतम संग्रह दर्शाता है कि पीएम गति शक्ति दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को कैसे प्रभावित कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि कार्यक्रम के कार्यान्वयन की और मजबूत बनाने के लिए नए डिजिटल उपकरण लॉन्च किए।

तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, दो गंभीर घायल

अखंड भारत संदेश

कौंधियारा। तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से सोमवार शाम कौंधियारा क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। साइकिल सवार और बाइक सवार आमने-सामने भिड़ गए, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और एक की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के जारी गांव में सोमवार की शाम साढ़े सात बजे के दरम्यान एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार जंगीलाल कुशवाहा की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जंगीलाल और केसरी गौड़ साइकिल से बाजार जा रहे थे, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीछे से आ रहे बाइक सवार विजय कुमार भी ऑटो से जा भिड़।

घटना के बाद ऑटो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। ग्रामीणों ने किसी तरह घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन जंगीलाल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जसरा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। हादसे की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम छा गया। थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि फरार चालक की तलाश की जा रही है।

श्रीकृष्ण चेतना समिति बजती द्वारा श्रीकृष्ण लीला का मंचन



जंघई। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री कृष्ण चेतना समिति बजती, नेडुला द्वारा श्री कृष्ण लीला का मंचन का किया गया। कंस जन्म और देवकी विवाह, कंस नारद संवाद से लेकर बलराम जन्म एवं कृष्ण जन्म पूतना उद्धार तक, तिरणावत उद्धार शंकरजी कृष्ण मिलन कृष्ण बलराम नाम करण सकटा सुर उद्धार नलकुवर मणि ग्रीवा उद्धार वत्सासुर उद्धार

मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं को किया जागरूक



जोएस एकेडमी धरवारा में छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूक करती थाना प्रभारी अनूप सरोज व टीम

अखंड भारत संदेश

करछना। मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत सोमवार को थाना करछना की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम धरवारा स्थित जोएस अकादमी विद्यालय में छात्राओं को सुरक्षा, आत्मसम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी अनूप सरोज ने किया। उनके साथ अतिरिक्त निरीक्षक राजेश सिंह, उपनिरीक्षक रिया द्विवेदी, उपनिरीक्षक शिल्पी, उपनिरीक्षक कैलाश और महिला कांस्टेबल निर्मला उपस्थित रही।

इस दौरान टीम ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी, वूमन पावर लाइन 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076,

करछना में भव्य रूप से संपन्न हुआ मुकुट पूजन समारोह

भक्तिमय माहौल में गूंजे जयकारे

अखंड भारत संदेश

करछना। रविवार को करछना में श्रद्धा और आस्था के वातावरण में भव्य मुकुट पूजन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की प्रतिमाओं के पूजन के साथ हुई। पूरे परिसर में ह्रजय श्रीरामह के जयकारों से वातावरण गुंज उठा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी सॉलिसिटर जनरल, भारत सरकार शिव कुमार पाल उपस्थित रहे, जिनका रामलीला कमेटी के सदस्यों ने अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज कुमार सिंह और शीतला प्रसाद गौड़



मौजूद रहे। कार्यक्रम में रामविचार चौधरी, उमेश पाल, पूर्व ब्लाक प्रमुख सिंह, विजय राजू सिंह, डीआर सिंह, हंसराज सिंह, लाल दिवाकर सिंह, अवतार किशन सिंह, राकेश सिंह, विनोद सिंह काका, कुंवर सिंह, राजू सिंह, सूरज सिंह, सुभाष द्विवेदी, सुनील द्विवेदी तथा एम.पी. सिंह, सुजीत सिंह सेवा भारती प्रमुख प्रयागराज, मुदित सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के मुकुट का विधिवत पूजन कर क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। भजन-कीर्तन और दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का माहौल आध्यात्मिकता से भर उठा। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस मुकुट पूजन के साथ आगामी रामलीला मंचन की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं, जिससे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

बेटियों/महिलाओं से अभद्रता करने वाले जा सकते हैं जेल : आराधना सिंह

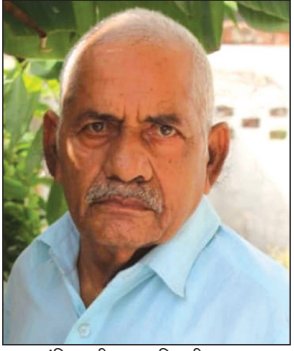
अखंड भारत संदेश

जंघई। मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत आयोजित इस अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों की रक्षा करने तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के प्रति सरायममरेज मिशन शक्ति टीम ने जागरूक किया। मिशन? शक्ति टीम प्रभारी उप निरीक्षक आराधना सिंह, उप निरीक्षक प्रिया त्रिपाठी, उप निरीक्षक यशवंत कुमार द्वारा ग्राम दुधरा, साथर थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज में जाकर महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमन पावर लाइन 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, साइबर

क्राइम 1930 आदि की जानकारी दी गयी तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी बताया गया व साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर

हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक किया गया। मिशन शक्ति टीम प्रभारी आराधना सिंह ने कहा कि बेटियों/महिलाओं से अभद्रता करने वाले असामाजिक तत्व जेल जा सकते हैं क्योंकि प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा हेतु दृढ़ संकल्पित है इसी दिशा में प्रदेश की मिशन शक्ति टीम कर्मठता से अपना कार्य कर रही है।

पूर्व प्रधानाचार्य सीताराम तिवारी के निधन पर शोक



मुखानिन सबसे छोटे पुत्र शशिकांत त्रिपाठी ने दी। इस मौके पर डॉ. मणिशंकर द्विवेदी, विनोद मिश्र, दिनेश त्रिपाठी, अमित पाण्डेय, विनोद तिवारी, रामानंद त्रिपाठी, दिलीप मालवीय, जयकृष्ण मिश्र, अमित तिवारी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

करछना में स्कूल की भूमि पर अतिक्रमण हटाने के सख्त आदेश

एसडीएम ने दिए कड़े निर्देश

करछना। करछना तहसील क्षेत्र के छोड़ेडीह गांव में स्कूल निर्माण हेतु सुरक्षित भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की खबर के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। ग्राम प्रधान प्रियंका सोनकर द्वारा की गई शिकायत पर तहसीलदार करछना ने जांच कर यह स्पष्ट किया कि यह भूमि स्कूल के लिए सुरक्षित दर्ज है, लेकिन कुछ व्यक्तियों ने सीमेंट के पिलर गाड़कर और चैन लिंग लगाकर पूरे भूभाग पर कब्जा कर लिया है। जांच में यह भी सामने आया कि यह भूमि पहले भी विवादित रही है और वर्षों पूर्व इसके अवैध कब्जे के मामले में मुकदमा दायर हुआ था, लेकिन पर्याप्त कार्रवाई नहीं हो सकी थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम करछना भारती मीणा (आईएसएस) ने नायब तहसीलदार

पनासा और प्रभारी निरीक्षक करछना को निर्देशित किया है कि वे संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा तुरंत हटवाएं। इसके साथ ही कार्रवाई के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी और शांति व्यवस्था बनाए रखना अनिवार्य होगा। एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि स्कूल जैसी सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई की खबर से क्षेत्र में व्यापक ध्यान और हलचल बनी हुई है, जिससे लोगों में जागरूकता और प्रशासनिक सख्ती का संदेश स्पष्ट रूप से गया है।

सूचना

सर्वसाधारण की सूचित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम की मेरी पॉलिसी संख्या 311 605485 में मेरा नाम गलती से शिव कान्ति देवी अंकित हो गया है जो गलत है जबकि मेरा सही नाम गुड्डी देवी पत्नी ज्ञान बाबू, निवासी ग्राम तेरहरा, पोस्ट शमशाबाद, जनपद कौशांबी है।

सूचना

सर्वसाधारण की सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अरविंद कुमार पुत्र सत्य प्रकाश है जो कि मेरे शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है वृत्तिवश मेरा इडॉलिंग लाइसेंस नंबर UP7020110021285 मे मेरे पिता का नाम सर्वजीत अंकित हो गया है जो की गलत है भविष्य मे मेरा सही नाम अरविंद कुमार पुत्र सत्य प्रकाश के नाम से जाना व पहचाना जाए एतद द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध मे समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

अरविंद कुमार पुत्र सत्य प्रकाश
अकबरपुर मिर्जापुर, कसेन्दा
प्रयागराज उत्तर प्रदेश 212202

चनेथू में हुआ सीता हरण, दर्शक हुए भावुक

जंघई। आदर्श रामलीला समिति चनेथू डीह की रामलीला मंचन में विभिन्न लीलाओं के मनमोहक मंचन में सूर्यणखा का नाक कटना, सीता हरण का मंचन कलाकारों के द्वारा किया गया। पंडाल में महिला, पुरुष एवं बच्चों की भारी भीड़ नजर आई। सूर्यणखा का नासिका छेदन से रामलीला मंचन की शुरुआत हुई इसके बाद खरदूषण वध, सीता हरण का आकर्षक मंचन कर कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सोने का मृग देख सीता जी ने उसे पाने की जिद किया भगवान राम ने मृग का पीछा किया तो माया रूपी मृग भगवान राम को जंगल की ओर दूर लेकर चला गया हाथ लक्ष्मण की आवाज सुन सीता जी परेशान हो गई और कहा कि मेरे राम संकट में हैं उनकी मदद के लिए लक्ष्मण को भेजा लक्ष्मण ने जाते समय कृती के चारों ओर तीर से रेखा खींच दी और माता सीता से उसके पार न जाने को कहा। लक्ष्मण के जाते ही रावण ब्राह्मण वेश में पहुंचा



और भिक्षा के बहाने उनका हरण कर लिया यह देखकर दर्शक भावुक हो गए। रामलीला मंचन के सहयोगियों में लल्लन प्रसाद पांडेय, रंगनाथ उपाध्याय, राजमणि मिश्रा, लालमणि मिश्रा, सूर्यमणि मिश्रा, मातादीन उपाध्याय, संजय उपाध्याय, सुशील उपाध्याय, सूरज नाथ, रमेश तिवारी, मालिक पांडेय, अरूण पांडेय, कड़ेदीन उपाध्याय, मंगला उपाध्याय, उदयराज उपाध्याय, जयप्रकाश उपाध्याय, विनोद उपाध्याय, सुरेश मिश्रा, त्रिभुवन उपाध्याय, निराले उपाध्याय, नोगेवर, पवन, आनंद, राजा, मनीष, राकौ, विपिन, विशाल, आकाश, रवि, दीपक, अंकुश, निखिल, सर्वेश, शिव, राजेश, विभव, गुलशन, कौशल, अंकित, अनुज, गौरव गंगा, सचिन, राजेश, मुरलीधर एवं संगीतकारों में श्रीकांत सावरा, प्रदीप जख्मी आदि लोग मौजूद रहे।

जय श्रीराम से गुंजा खखैचा गांव, निकली भव्य शोभा यात्रा



जंघई। आदर्श छात्र संघ रामलीला समिति गहरपुर, खखैचा की रामलीला संपन्न होने पर भगवान श्रीराम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा से पूर्व भगवान श्रीराम की विधिवत आरती उतारी गई इसके बाद, यह शोभा यात्रा पूरे उत्साह और भक्तिभाव के एवं डीजे के साथ खखैचा के प्रमुख मार्गों की ओर बढ़ी। यात्रा में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की आकर्षक झांकियां सजाई गई थी। गांव के नागरिक इस शोभा यात्रा में शामिल हुए, जो भगवान श्रीराम के रथ के आगे जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यह शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जहां जगह-जगह भक्तों ने पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया। बैड बाजे की मधुर ध्वनि, भक्ति संगीत और राम नाम के उद्घोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। गांव में मेले का आयोजन भी किया गया जिसमें ग्रामवासियों ने जमकर खरीदारी किया। इस अवसर पर पदाधिकारियों एवं पात्रों में त्रिशूली नाथ दुबे, फूलचंद उपाध्याय, माधो प्रसाद दुबे, सरयू प्रसाद तिवारी, कृष्ण धर तिवारी, मानिक चंद उपाध्याय, शिव प्रसाद तिवारी, मौजी लाल भारतीय, शिव प्रसाद गुप्ता, प्रमोद दुबे, राहुल दुबे, शक्ति ठाकुर, रोहित गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत खजुरौल, वि. ख. करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./कोटेशन/ 2025-26

टेण्डर/कोटेशन

दिनांक : 13.10.2025

ग्राम पंचायत **खजुरौल** में वित्तीय वर्ष 2025-26 में कराये जाने वाले कार्य, मनरेगा/15 वां वित्त/राज्य वित्त योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत **खजुरौल** विकास खण्ड करछना में अधोलिखित कार्यों के लिए **इच्छुक पंजीकृत फर्मों** से अल्प कालीन निविदा आमंत्रित की जाती है, आकड़न/प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर प्राप्त आपूर्ति भाड़ा एवं कार्य की मजदूरी सहित पहुंचाकर आपूर्ति 14-10-2025 से दिनांक 28-10-2025 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेण्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेण्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती हैं , तथा टेण्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेण्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। टेण्डर/कोटेशन दिनांक 29-10-2025 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेण्डर /कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 29-10-2025 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस-जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है। उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा, जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा, साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा। उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा। उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु उचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत श्रम एवं सामग्री अंश	कार्य पूर्ण की अवधि
1.	ग्राम पंचायत खजुरौल में स्ट्रीट लाइट कार्य	1.60000 लाख	3 माह
1.	पक्की सड़क से भारतीय बस्ती तक इण्टरलाकिंग कार्य	390000 लाख	3 माह

संदीप कुमार यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खजुरौल
वि० ख० करछना प्रयागराज

नेहा
सचिव
ग्राम पंचायत खजुरौल
वि० ख० करछना प्रयागराज

अर्जुन सिंह, इमरान आदि टीम में मौजूद रहे।

स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाएं

- 100 मीटर दौड़ **जुनियर वर्ग**
प्रथम स्थान- प्रार्थना साहू पुत्री
दुर्गेश कुमार साहू क्लास 6
द्वितीय स्थान - नीशु गुप्ता पुत्री
श्याम लाल गुप्ता क्लास 7
तृतीय स्थान - रिचा पाल पुत्री
लाल चंद्र पाल क्लास 6

100 मीटर दौड़ सीनियर वर्ग
प्रथम स्थान - अंशू मौर्या पुत्री
धर्मेश मौर्या क्लास 8
द्वितीय स्थान - श्रद्धा प्रजापति पुत्री
राम कलाश प्रजापति 9 बी
तृतीय स्थान - प्राची पाल पुत्री
राजेश पाल क्लास 8

200 मीटर दौड़ में स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाएं
प्रथम स्थान - दुर्गा कुमारी पुत्री
रमेश कुमार क्लास - 9अ
द्वितीय स्थान - अक्षरा पाण्डेय पुत्री
कृष्ण कुमार पाण्डेय क्लास 9 बी
तृतीय स्थान - तमन्ना यादव पुत्री

जगत यादव 12

कौशाम्बी संदेश

अझुवा दहशरा मेला : आकर्षक चौकियां देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

● दो दिवसीय अझुवा का दशहरा मेला सम्पन्न , डीजे की धुन में जमकर थिरके युवा



अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा का 2 दिवसीय दशहरा मेला सकुशल संपन्न हो गया। नगर पंचायत अझुवा कार्यालय के सामने गांधी चबूतरा मैदान पर आयोजित रामलीला में अंतिम दिन रामलीला कलाकारों ने कुंभकर्ण बध, अहिरावण बध, रावण बध विभीषण राजतिलक का मंचन किया। रामलीला मैदान में जयश्री राम के गगनभेदी नारे लगाए गए। अझुवा दशहरा मेले में अंतिम दिन जन सैलाब उमड़ पड़ा। भीषण भीड़ देखकर प्रशासन ने एनएचआई के सहयोग से राष्ट्रीय राजमार्ग को लोहदा मोड़ से एक मार्ग कर दिया। उफनती भीड़ और यातायात को सुव्यवस्थित करने के दर्जनों पुलिस कर्मियों को संभालने में पसीने छूट गए। भीड़ का आलम यह था जिधर देखो उधर सिर ही सिर दिखाई दे रहे थे।

आकर्षक चौकियां देखने उमड़ा जन सैलाब

अझुवा कौशाम्बी। दशहरे मेले में उत्साहित नवयुवकों ने 7 कलात्मक और श्रृंगारात्मक चौकियां निकाली हैं जो राष्ट्रीय राजमार्ग से भोला चौराहा होते हुए गुजरी हैं जगह जगह अपने भक्तिरूपी गानों की धुन पर जमकर थिरके हैं सभी चौकियां चेयरमैन के घर के पास अपने हुनर का प्रदर्शन किया जहां सभी चौकियों के आयोजकों को चेयरमैन पुत्र मोनी कुशवाहा ने आकर्षक ईनाम से नवाजा है।

खरीदते नजर आई हैं जहां महिला पुलिस कर्मी किसी भी स्थिति से निपटने को दिखाई दी हैं। टेंडरी मोड़ में क्रांिकरी के आकर्षक बर्तन और वस्तुएं खरीदने की होड़ देखी गई है।

मेला प्रबंधक रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा ने शासन और प्रशासन विशेषकर सिराथू एसडीएम योगेश गौड़ और क्षेत्राधिकारी सिराथू सत्येंद्र तिवारी को ऐतिहासिक मेला सकुशल सम्पन्न करने के लिए धन्यवाद दिया उन्होंने रामलीला कमेटी के सहयोगियों, रोशनी कमेटी के संचालकों, मेला देखने आए इष्टमित्रों, क्षेत्रीय जनमानस को धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया है।

त्वाट चाउमीन, पिज्जा, बर्गर सहित तमाम खाद्य पदार्थ की दुकानें मेला में चार चांद लगा रही थीं जहां मेलाथी अपने मनपसंद व्यंजनों का आनंद लेते देखे गए हैं।

जनपद न्यायालय स्थापना दिवस पर सुंदर कांड पाठ एवं प्रसाद वितरण समारोह

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जनपद एवं सत्र न्यायालय के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सोमवार को मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन कौशाम्बी द्वारा लाइब्रेरी हाल में एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय परिसर के लाइब्रेरी हाल में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें समस्त अधिवक्ताओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से भाग लिया। इस पावन अवसर पर जिला जज, सीजीएम, एससी एसटी, पाँक्सो कोर्ट के न्यायाधीश गण, एवं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय, महामंत्री तुषार तिवारी की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम के उपरांत भंडारे एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों



अधिवक्ताओं ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से हरि शंकर पांडेय, उमेश तिवारी, वेद प्रकाश मिश्र, नर नारायण मिश्र, नोखे लाल पाण्डेय, ज्ञानेंद्र नारायण शुक्ल इंद्र नारायण पाण्डेय, केके यादव, मनुदेव त्रिपाठी,

शिवा त्रिपाठी, गौरव पांडेय, सहित अनेक वरिष्ठ व युवा अधिवक्ता उपस्थित रहे यह आयोजन आपसी सौहार्द, श्रद्धा और न्यायिक मर्यादाओं के प्रतीक स्वरूप एक प्रेरणादायक पहल के रूप में सराहनीय रहा।

3 महीने में मजदूर के खाते में कर दिया पौने तीन लाख का ग्राम पंचायत ने भुगतान

भ्रष्टाचार में डूबा विकास खण्ड कौशाम्बी 237 रुपए की मजदूरी पाने वाले मजदूर के बैंक खाते में किया लाखों का भुगतान

कौशाम्बी। आकांक्षी विकास खण्ड कौशाम्बी के ग्राम पंचायत कोसम खिराज में एक ऐसे ग्राम विकास अधिकारी की हाथ में ग्राम के विकास की डोर सौंपी गई थी जिसके कार्यकाल में कराये गए विकास कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े हुए हैं जो जोर जोर से दहाड़ लगा कर भ्रष्टाचार की गवाही दे रहे हैं लेकिन ग्राम पंचायत में हुए भयानक भ्रष्टाचार की दहाड़ जनपद के मुख्य विकास अधिकारी व अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के कानों तक नहीं पहुंच रही है। जिसकी चर्चा आम जनमानस के बीच जोरों पर हो रही है अब तो चाय पान की दुकानों पर बैठे लोगों के जुबान से यह चर्चा सुनने को मिला करती है। लोगों की जुबानी यह कही जा रही है इतने बड़े भ्रष्टाचार पर कार्यवाही ना होने का कारण सचिवों के द्वारा उच्च अधिकारियों को दिया जाने वाला चंदा है जो जिम्मेदार अधिकारियों के आंख व कान में पड़ी बांध रखी है। आप को बताते चले कि विकास खण्ड कौशाम्बी के ग्राम पंचायत कोसम खिराज में मजदूरी का लाखों रुपए का भुगतान एक व्यक्ति के बैंक खाते में कर दिया गया है जिसकी जानकारी स्वयं अभिलेख दे रहे है। ग्राम विकास के अभिलेखों से मिली जानकारी के अनुसार भगवानदीन पुत्र फूलचंद के बैंक खाते में वित्तीय वर्ष 2025/26 की 18 फरवरी से 23 मई तक में 2,76,638 लाख रुपए का भुगतान जिम्मेदार ग्राम विकास अधिकारी के द्वारा किया गया है अब विचारणीय विषय यह है कि शासन द्वारा 237 रुपए दिहाड़ी की मजदूरी निर्धारित किया गया है उस हिसाब से तीन माह तीन दिन की मजदूरी 22,041 हजार रुपए ही हुआ करती है जिससे यह स्पष्ट हो रहा है ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान के मिलीभगत से व्यक्ति के बैंक खाते में ग्राम पंचायत के विकास का धन डाल कर बंदरबाट किया गया है। इतने साफ स्पष्ट दिखने वाले भ्रष्टाचार में शासन से मोटा वेतन लेने वाले अधिकारी को साफ ना दिखाई पड़ने का कारण क्या हो सकता है ग्राम के विकास में आने वाले धन के दुरुपयोग किए जाने की जांच क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी से करने की गुहार लगाई है।

कामचोर अवर अभियंता जेई पर कार्यवाही करने को बिजली विभाग के अधिकारी भी नहीं दिखाई पड़ रहे हैं तैयार

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के विद्युत पावर हाउस भरसवा के अंतर्गत ग्राम सभा थाभा माजरा नए पुरवा में दशरथ लाल, अमृतलाल, उदय राज, संदीप कुमार सिंह, मेवा लाल आदि के घर के पास से गुजरी विद्युत तार के केबल और खंभा 6 महीने पहले टूट गया है गांव को सप्लाई दिए जाने वाले विद्युत तार केबिल का खंभा घटिया क्वालिटी का कमजोर होने के चलते 6 महीने पहले टूट गया है जिससे विद्युत खंभा में केवल की तार जमीन से कुछ ऊपर झूल रही है झूलती विद्युत तार में यमराज घूम रहे हैं जिससे आए दिन हादसे होते हैं इस विद्युत तार में कई जानवर फंस कर चोट खा चुके हैं आने जाने वाले वाहन चालक भी इस झूलती विद्युत तार में अक्सर फंस जाते हैं और विद्युत तार केबिल में फंस जाने से वाहन समेत सड़क पर वाहन चालक गिर जाते हैं और चोट खा जाते हैं विभागिय जेई की बड़ी लापरवाही के चलते तमाम लोग



हादसे का शिकार हो चुके हैं 6 महीने से लगातार टूटे विद्युत खंभा को दुरुस्त कर झूलती विद्युत तार केबिल को सुधार करने की मांग ग्रामीण विद्युत विभाग के अधिकारियों से कर चुके हैं लेकिन बिजली

विभाग के अवर अभियंता की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता जिससे कामचोर अवर अभियंता की तानाशाही का अंदाजा लगाया जा सकता है। कामचोर अवर अभियंता योगी सरकार की छवि को धूमिल कर

न्यूज झरोखा

संवेदनशील जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की मानवता की मिसाल

कौशाम्बी। सोमवार को एक हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला जब जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ओसा से कलेक्ट्रेट लौट रहे थे। रास्ते में पाता गांव के पास सड़क किनारे मिट्टी के बर्तन बनाती नर्हीं बच्चियों को देखकर उनका हृदय द्रवित हो उठा उन्होंने तुरंत अपनी सकाराी गाड़ी रुकवाई और बच्चियों के पास जाकर उनसे आत्मीयता से बातचीत की। जिलाधिकारी ने उनके पारिवारिक हालचाल और पढ़ाई के बारे में पूछा तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन बच्चियों की शिक्षा और पारिवारिक सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिलाधिकारी की यह संवेदनशील पहल प्रशासनिक जिम्मेदारी के साथ-साथ उनकी मानवीय संवेदना का प्रेरक उदाहरण बनी।

पराली प्रबंधन जन-जागरूकता वैन रवाना

कौशांबी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने पराली प्रबंधन जन-जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के अनुसार फसल अवशेष जलाया जाना एक दण्डनीय अपराध है। राजस्व विभाग द्वारा पर्यावरण को हो रहे क्षतिपूर्ति की वसूली के निर्देश दिये गये हैं। इसमें 02 एकड़ से कम क्षेत्र के लिए रुपए-2500, 02 से 05 एकड़ क्षेत्र के लिए रुपए-5000 तथा 05 एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए रुपए-15000 तक पर्यावरण कम्पन्सेशन की वसूली के निर्देश हैं। कृषकों से आवाहन किया कि फसल अवशेष प्रबन्धन यंत्र का उपयोग अवश्य किया जाय,जिससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। कोई भी कृषक अपने खेत की पराली न जलावें, पराली गोशाला में देकर गोबर की खाद मुफ्त में प्राप्त करें।

वन स्टॉप सेंटर का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

कौशांबी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज वन स्टॉप सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने आवासित महिलाओं एवं बालिकाओं से उपलब्ध हो रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केन्द्र प्रबंधक को साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित बनाए रखने एवं डस्टबिन रखे जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने वन स्टॉप सेंटर के पीछे, खाली जमीन पर अतिरिक्त कक्ष बनाए जाने लिए भूमि का अवलोकन कर उप जिलाधिकारी, मंझनपुर को आवश्यक निर्देश दिए।

गोदभराई एवं बच्चों को कराया गया अन्नप्राशन

कौशांबी। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत विकास खंड चायल के ग्राम पंचायत इब्राहिमपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गोदभराई एवं बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया। महिलाओं व बालिकाओं को स्वास्थ्य व सही खानपान की जानकारी के साथ ही शासन द्वारा संचालित महिलापरक योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग की टीम आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री आदि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गई। इस दौरान आमजन की शिकायतों/समस्याओं को सुना गया एवं उनकी शिकायतों/समस्याओं के त्वरित, विधिवत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में आए नागरिकों को यह आवासन दिया गया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस अधीक्षक ने आमजन की समस्याओं को समझा और उनके समाधान के लिए सम्बन्धित को आवश्यक कार्यवाही हेतु दिशा निर्देश दिए।

बेदखली की कार्यवाही के बाद भी हो रहा था अवैध निर्माण, 12 के विरुद्ध केस

टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी। सिराथू तहसील के अंदावा गांव में बंजर व ऊसर की सुरक्षित भूमि पर बेदखली के आदेश के बाद भी कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य कराया जा रहा था , हल्का लेखपाल के मना करने के बाद भी निर्माण कार्य न बंद होने पर लेखपाल की शिकायत पर कोखराज पुलिस ने 12 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है। सिराथू तहसील क्षेत्र के अंदावा गांव में गांव के कुछ लोगों ने बंजर व उसर की सुरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था ,हल्का लेखपाल ने मामले को संज्ञान में लेकर धारा 67 के तहत तहसीलदार न्यायिक द्वारा बेदखली की कार्यवाही के बाद भी भू माफियाओं द्वारा अवैध निर्माण शुरू कर दिया,हल्का लेखपाल के मना करने के बाद भी निर्माण कार्य बंद न करने के आरोप में हल्का लेखपाल जगदीश कुमार यादव की शिकायत पर कोखराज पुलिस ने अंदावा व पलटीपुर गांव के अतिक्रमणय रमेश राजेंद्र सुरेश , दिलीप संदीप इंदपाल रामबाबू , धर्मापाल ननका नन्तू सत्यम व लवकुश आदि के विरुद्ध लोक संपत्ति क्षति अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

मिशन शक्ति एवं यातायात जागरूकता अभियान के तहत पुलिस लाइन कौशांबी में कार्यक्रम आयोजित

कौशांबी रिजेंट पुलिस लाइन्स जनपद कौशाम्बी ने पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी कौशांबी यातायात लाईन्स जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय के पर्यवेक्षण में आयोजित मिशन शक्ति अभियान" व "यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षु आरक्षियों, पुलिस लाइन के समस्त महिला एवम पुरुष अधिकारी/कर्मचारीगण तथा जनपद के सभी थानों से प्रतिनिधित्व में उपनिरीक्षक व आरक्षियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी कौशांबी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों की आवश्यक ब्रीफिंग की गई एवं सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में तथा महिलाओं की सहायता के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी के साथ-साथ मिशन शक्ति अभियान को सफल कराए जाने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को उनके कार्य एवं दायित्व की भली-भांति जानकारी उपलब्ध कराई गई।

प्रदेशीय राइफल पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में धर्मा देवी इं. कॉलेज के 31 छात्र छात्राएं करेंगे प्रतिभाग



अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। वाराणसी में आयोजित होने वाली 69वीं प्रदेशीय अक्टूबर 2025 को विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राम किरण त्रिपाठी ने प्रातः प्रार्थना सभा में सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को माला पहनाकर आयोजित होने वाली इस लक्ष्य वेध

विद्यालयीय राइफल पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में प्रयागराज मण्डल का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राम किरण त्रिपाठी ने प्रातः प्रार्थना सभा में सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को माला पहनाकर आयोजित होने वाली इस लक्ष्य वेध

परीक्षा में जीत प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर अपने प्रदेश मण्डल जनपद का नाम गौरवान्वित करने के लिए शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया।साथ ही विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दी।

6 महीने से टूटा विद्युत खंभा झूल रही विद्युत तार हादसे के शिकार हो रहे लोग



सम्पादकीय

जातिवाद का जहर और दलित उत्पीड़न

हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार का अंतिम संस्कार इन पक्षियों के लिखे जमाने तक नहीं हो पाया है, वहीं हरियाणा सरकार ने दो मंत्री, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव जैसे बड़े अधिकारी पूरन कुमार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अंतिम संस्कार और पोस्टमार्टम के लिए मनाने में जुटे हुए हैं। इस मामले में हरियाणा सरकार ने रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया को हटा दिया है। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी ने उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था।

बता दें कि पूरन कुमार का शव 7 अक्टूबर मंगलवार को उनके घर पर मिला था। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया। अपनी मौत से पहले दिवंगत अधिकारी ने एक नोट छोड़ा है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जगितगन प्रताड़ना और अपमान के आरोप उठोने लगाए। पूरन कुमार ने लिखा कि 2020 में तत्कालीन डीजीपी मनोज यादव ने मेरे उत्पीड़न शुरू किया, हरियाणा के डेड के अन्य अधिकारी आज भी प्रताड़ित कर रहे, तत्कालीन एसीएस गृह राजीव अरोड़ा ने मुझे छुड़िया नहीं दी है। मैं अपने बीमार पिता से मिलने तक नहीं जा सका। वषों तक मुझे मासिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ा। मेरे खिलाफ छत्र नामों से दुर्भावनापूर्ण शिकायतें की गईं। सार्वजनिक रूप से मुझे अपमानित और शर्मिंदा किया गया। अपने उत्पीड़न की एक लंबी फेरिहस्त देते हुए पूरन कुमार ने लिखा कि - मैं और अधिक प्रताड़ना बर्बरता नहीं कर सकता, इसीलिए मैंने सब कुछ खत्म करने का निर्णय लिया है।

यकीन करना मुश्किल है कि 21 वीं का चौथाई हिस्सा निकल गया है और भारत में दलित उन्नीस खतम हो नहीं हो रहा है। कहा जाता है कि कमजोर वर्गों को शिक्षा की शक्ति से सैल किया जाए, तो उनकी स्थिति में सुधार आएगा। लेकिन वहां ये तर्क भी नाकाम दिख रहा है। रायबरेली में गरीब हरिओम वाल्मिकी को पीट-पीट कर मारना, देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जुता पेंकना और फिर सोशल मीडिया पर उसे सीधे ठहराया जाना और एक पुलिस सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी दलित अधिकारी का उपनीय के कारण आत्महत्या करना उससे पहले वैज्ञानिक बनने की चाह रखने वाले छात्र रोहित वेमुला का आत्महत्या करना, तमाम मामले इस बात की गवाही चीख-चीख कर दे रहे हैं कि दलितों की स्थिति में तब तक सुधार नहीं आ सकता, जब तक इस देश से मनुवादी सोच का पूरी तरह खतमा नहीं हो जावे। लेकिन अभी तो हाल ये है कि मनुस्मृति को ही धर्म बताकर संघ और भाजपा के समर्थकों का बड़ा हिस्सा उसे संविधान में तब्दील करने की तैयारी में है। राहुल गांधी ने इस बारे में संसद में सी देश को चेतावना दे दी थी कि भाजपा मनुस्मृति को लागू करना चाहती है, संविधान नहीं। लेकिन उनकी बात को राजनीति कहकर टालने की कोशिश सरकार कर रही है। हालांकि देश देख रहा है कि राहुल गांधी एक बार फिर सीधे साबित हो रहे हैं। पुरन कुमारी की आत्महत्या मामले में आरोपियों को बचाने की कोशिश हुई, लेकिन उनकी पत्नी अमनीत पी. कुमारी जो कि खुद 2003 बैच की आईएएस अधिकारी हैं।

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

- ललित गर्ग -

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उन अदृश्य व्यवस्था का उद्देश है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सामाजिक-संस्कृत, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से वैश्व के लिए नए मानक तैयार करते हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के निर्माण

और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर जोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केन्द्रित करेंगे। हालाँकि आगे वर्ष अंतराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतराष्ट्रीय भाषा में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात् स्थिरता सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के

उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम **ह्रस्वसंज्ञा** है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने **सिद्धि** के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक **ब्युरो** ने इस वर्ष की थीम को ह्रासत विकास **लक्ष्य**: लक्ष्य प्राप्त में सामूहिक साझेदारी के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिस को मानने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और अपूर्ण श्रृंखला जैसे जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानवीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानवीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है।

विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार



और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्राध्युपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और जातीय राष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है।

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का

संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बारालगने पर आर्थिक हितों का आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिक्रिया के रूप में अपने दरवाजे बंद करने लगते हैं। परिणामामयह होता है कि जो विश्व पहले एक साझाबाजार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से अलग-अलग सीमाओं और अविव्वासा की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवससाथ-साथ संदेश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं, बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों के एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या शर्त या शर्त की आवश्यकता ही नहीं पड़ती है। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है। जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो वह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता

हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी कोई भी हानि अपनी हानि है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी के तत्वाधिक कोई भी राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया में वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विवासा में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। आतिशयोक्तिपूर्ण टैरिफ जैसी नीतियों क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के समन्वित विकास और आपसी विवासा को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को बिकसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ।

नफरत ही खाना, नफरत ही पीना,

નફરત રોજ બઢાના: જય ભાજપા !

— शकील अख्तर

अफगानिस्तान को तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की दिल्ली में हुई प्रेस कांफ्रेंस में केवल पुरुष प्रकाश जाएँ इस प्रश्न मोदी सरकार को कोई आपत्ति नहीं हुई इसल्ट जब नेता प्रतियुष् राहुल गांधी ने जने में महिला पत्रकारों को नहल जाने दिण्डेन जाने का सवाल उठाया तो विदेश मंत्री एस्फ जयशंकर गोदी मीडिया और भक्तों, ट्रोला बाला यह बचकाना तर्क देने लगे कि अपने दूतावास में वे किसे बुलाएँ किसे नहीं यह उनका अधिकार है।

दिल्लों के खिलाफ मन में इतना जहर ! उन्हें नीचा दिखाने के लिए वे जिन्हें अपना सबसे बड़े दे नेता मानते हैं उन डॉ अम्बेडकर को जैलियां निकाल कर अंग्रेजों का गुलाम कहा जा रहा है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थित विस्फोटक हो गई है यहाँ दिल्ली की तरह एक सामान्य वकील अन्ध हैं बल्कि ग्वालियर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे अनिल मिश्रा लगातार डॉ अम्बेडकर को गालियां दे रहे हैं। उनके खिलाफ पुलिस में एफआईआर भी दर्ज की गई है मगर इसके बावजूद वे न केवल अम्बेडकर के खिलाफ बोल रहे हैं बल्कि उनके समर्थन में बड़ी तादाद में आ गणेशन उनकी विचारधारा के वकील और राजनीतिक लोग भी अब इस बढ़ाकर उन्नीस सविधान निमातों के तौर पर उनका नाम हटाकर वी एन राव का नाम लिखने की मांग कर रहे हैं। साथ ही आरक्षण खत्म करने की देश में नफरत और विभाजन को कहाँ तक ले आया गया है यह ग्वालियर में अम्बेडकर के खिलाफ दिह जा रहे बयानों से मालूम पड़ता है। जिन वकीलों ने अम्बेडकर के खिलाफ मुहिम शुरू की है वे अब खुलेआम पुलिस को चैलेंज करने रहे हैं वकील अम्बेडकर के खिलाफ बोलने वाले वकील अनिल मिश्रा को गिरफ्तार करके दिखाओ! राज्य सरकार की हिम्मत नहीं पड़ रही है। प्रशासन ने केवल अभी धारा 144 लगाकर जुलूस प्रदर्शनों से रोका का इंतजाम किया है। अम्बेडकर देश में हमेशा से दक्षिणपंथियों के निशाने पर रहे हैं। देश में सबसे ज्यादा प्रतिभा अम्बेडकर को तोड़ी गई हैं। कारण स्पष्ट है अम्बेडकर ने मनुवाद को सिधे चैलेंज किया था। सौ साल होने वाले हैं जब उन्होंने मनुस्मृति को जलाया था। 1927 में। और इसके बाद सविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने सविधान में एससी एसटी के लिए आरक्षण की व्यवस्था की थी।



बीजेपी आरएसएस जो कभी सामाजिक समाज के सिद्धांत को स्वीकार नहीं कर पाया वह दिलित पिछड़े आदिवासियों में पैठ बनाने के लिए तो अम्बेडकर की बात करती है मगर मन से कभी उन्हें स्वीकार नहीं कर पाती। इसलिए कथन से उस समय संविधान का विरोध किया था। उस समय संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर ने लिखा था 'हम संविधान को कभी स्वीकार नहीं कर सकते। क्योंकि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। मनुस्मृति ही दुनिया में प्रशंसित है। 1949 में'

हाई इस विरोधाभास को रेखांकित करना भी जरूरी है कि आज उसी प्रतिक्रियावादी सोच के लोग दावा कर रहे हैं कि संविधान अम्बेडकर ने नहीं वीएन राव ने लिखा था। तो अगर राव ने लिखा था जिसे ब्राह्मण होने के कारण स्वीकृति और सम्मान दे रहे हैं तो फिर सच ने इसका विरोध क्यों किया था? मूल समस्या अम्बेडकर के दलित होने से है। बीजेपी अगर एसएस के लोग यह मानने को तैयार हो जाए नहीं हैं कि कोई दलित इतना विद्वान हो सकता है कि वह संविधान लिखे। आज भी जो साफ़ आन्दोलन आरक्षण के खिलाफ़ होता है उसमें यही कहा जाता है कि इसके द्वारा आए हुए लोग अयोग्य होते हैं। यह झूठ नफरती विचार फैलाए तो हमेशा से जा रहे हैं मगर पहले इसका असर उताना होता नहीं था। मगर अब जबकि से इनकी सरकार आई है नफरत को इतना दिखने लगा है। और अब तो इतना विस्फोटक हो गया है कि अपनी विफलियत में नफरत से चीफ़ जस्टिस आफ इंडिया बने बीआर गवंश का अपमान करने के लिए उन पर जुता फेंका जाता है। और

कोई पछतावा नहीं, माफी नहीं बल्कि उससे उचित ठहराया जाता है। जूते फेंकने वाले के इंटरव्यू थड़ाथड़ा हो रहे हैं। मीडियमों के उन्हेँ हीरो की तरह पेश कर रहा है। उस्ताहित भक्त ट्रोल् और धमकियां दे रहे हैं। कि दूसरे जजों के साथ ऐसा होगा सड़क पर होगा। डर का माहौल है। सुनाई कोर्ट के किसी जज, किसी हाई कोर्ट के हिम्मत नहीं पड़ रही कि जूता मारने वाले के खिलाफ कुछ बोल सके। और आप पक्का मानिए अगर वह कोर्ट में चला गया कि बार काँसिल ने उसके कवालत करने पर कैसे रोक लगाई है या बार एसोसिएशन ने उसे कैसे निष्कासित किया है तो उसे तुरंत राहत जाणी। हँस सकता है कोई कोर्ट जस्टिस गर्व पर ही टिप्पणी करने की गलती उनकी थी। कुछ भी हो सकता है। जो चाहते थे वह माहौल बना लिया। पहले मुस्लिम के खिलाफ बनाया। मुस्लिम होना ही गुनाह हो गया उससे जुड़ी हर चीज पर सवाल खड़े कर दिए। खुद प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री स्तर पर इसके बाद क्या बचता है? मगर विरोध केवल भारत के मुस्लिम का। भारत के बाहर के मुस्लिम का नहीं। अभी आपने तालिबान सरकार का प्रकरण देखा। तालिबान के खिलाफ देश में किसने प्रोपेगंडा चलाया गया। भाजपा से लेकर गोदी मीडिया तक सबने। उद्देश्य उनका विरोध नहीं था। असली मकसद था उनके बहाने भारत के मुसलमानों को बदनाम करना। किसी भी दाढ़ी वाले को देखते ही खासतौर से नौजवान को उसे तालिबानी कहने लगते थे। मगर अब जब तालिबानी आए तो उन्हेँ गाँड़ आफ आनर दिया गया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के

विदेश मंत्री की दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल पुरुष पत्रकार जाएँ इस पर मोदी सरकार को कोई आपत्ति नहीं हुई। उल्टा जग नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसमें महिला पत्रकारों को नहीं जाने दिए जाने का सवाल उठाया तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर गोदी मीडिया और भक्तों, ट्रोलेरों वाला यह बचकाना तर्क देने लगे कि अपने दूतावास में वे किसे बुलाएँ किसे नहीं यह उनका अधिकार है। एकदम गलत। भारत में भारत के किसी से भेदभाव नहीं होगा का कानून लागू होगा कल शनिवार को हमने इसके बहुत सारे उदाहरण दिए हैं दूटीटर फेसबुक पर उन्हे नया दोहराएँ। एक नया उदाहरण ज्यादातर देशों में जाति का कास्टेड नहीं है तो जातिगत आधार पर भेदभाव का सवाल ही नहीं। लेकिन हमारे यहां एससी एसटी (अत्याचारी विचारण) कानून है अब अगर किसी निदेशी दूतावास के अंदर किसी के साथ जातिगत भेदभाव होता है तो दूतावास इस आधार पर नहीं बच सकता कि यह तो हमारे यहां अंदर हुआ है। करने वाला और पीड़ित दोनों भारतीय होंगे तो करने वाला भारतीय उस देश की आड़ में बच नहीं पाएगा। बड़ा कानून प्रिंसिपल लॉ हर जगह लागू होता है महिला के साथ भारत में कोई भी कहीं भी भेदभाव नहीं कर सकता। और साफ कर दें। क्योंकि खुद उन विदेश मंत्री ने कहा है जो भारतीय विदेश सेवा (आईएनएस) के हैं। सर्वोच्च पर विदेश सचिव रह चुके हैं। सारे कानून मालूम हैं। यह भी कि कोई भी विदेशी जब भारत में है तो उस पर क्रिमिनल और सिविल सभी मामलों में भारतीय कानून लागू होगा। एक अनपढ़ दौर आया है कुछ भी बोल दो। नेता बोलते हैं तो वह विदेश मंत्री जयशंकर भी विदेश सेवा से आए हैं, कुछ भी बोल देते हैं उदरघ एक ही है तालिबान को खुश करना आखिर एकमात्र दोस्त है। कभी ऐसा पाकिस्तान के साथ होता था। भारत से खुद में उसके साथ केवल एक ही देश जुड़ा होता था। अमेरिका। आज मोदी जी ने हमारी वह हालत कर दी है कि हमारे साथ अभी पाकिस्तान के साथ संघर्ष में केवल एक एक ही देश था। यही अफगानिस्तान की तालिबान सरकार। देश हर मोर्चे पर पीछे जा रहा है। बस केवल नफरत में बढ़ रहा है। मुस्लिम से दलित दलित से पिछड़ा आदिवासी और उसके बाद बचे कितने ? जो बचे हैं सब एक दूसरे के खिलाफ।

— तुहिन

अफगानिस्तान में प्रगतिशील सरकार और अफगानिस्तान प्रगतिशील ताकतों को खत्म करने के लिए अस्सी के दशक में अमेरिकी साम्राज्यवाद ने पाकिस्तान के सहयोग से इस्लामिक कट्टरपंथियों को हथियारबंद करके और भलीभांति प्रशिक्षित करके तालिबान को तैयार किया। तालिबान ने वामपंथी सरकार के पतन के बाद यह युद्ध में नॉर्दन एलायंस को हराकर काबुल में प्रवेश किया। अटल बिहारी वाजपेयी के शासन काल में 26 सित्त पहले कंधार में भारत के तत्कालीन विदेशमंत्री जसवंत सिंह ने तालिबान के विदेशी मंत्री मुावकिब से सम्मेलनीा किया था। उद्देश्य था- आईसी-415 एयर इंडिया प्लाइट (जिसे पाक और तालिबान समर्थित आतंकवादियों ने अावा किया था), के मुदे को सुलझाना। इस सम्मेलीते के आधार पर जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मम्दु अज़हर को रिहा किया गया और पाकिस्तान भेजा गया।

उस समय भी भाजपा की सरकार थी। 26 साल बाद इसी भाजपा की सरकार ने तालिबान को औपचारिक मान्यता दी है और हाल ही में दिल्ली में तालिबान के वर्तमान विदेश मंत्री अमीर खान मुताकी के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक की और समझौता हुआ। ये तालिबान कौन है? अफगानिस्तान में प्रगतिशील सरकार और अफगानिस्तान की प्रगतिशील ताकतों को खत्म करने के लिए अरस्सी के दशक में अमेरिकी साम्राज्यवाद ने पाकिस्तान के सहयोग से इस्लामिक कट्टरपंथियों को हथियारबंद करके और भलीभाँति प्रशिक्षित कर तालिबान को तैयार किया। तालिबान ने वामपंथी सरकार के पतन के बाद गृह युद्ध में नॉर्दन एलायंस को हराकर काबुल में प्रवेश किया। इसके लिए तालिबान ने नॉर्दन एलायंस के नेता 'पंजशीर का शेर' अमदद शाह मसूद सहित कई मुजाहिदीन नेताओं की निमंत्रण हत्या की। अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद सबसे पहले उन्होंने पांचवे अफगान राष्ट्रपति मोहम्मद नजीबुल्लाह और उनके



तालिहकारों को काबुल में संयुक्त राष्ट्र संघ के दूतावास से जबरन निकालकर कुत्ते की तरह मारकर पेट में गोद पेट में लटका दिया। उन्होंने देश में मौजूद संग्रहालयों, अन्य भवनों से संबंधित तमाम स्मारक व मूर्तियों को जिनमें विश्व विख्यात बौद्ध भूमिगत बुद्ध मूर्ति (जो मुनेस्को की विश्व विरासत थी), भी शामिल थी, को ध्वस्त कर दे दिया। तालिबान ने अपने पहले कार्यकाल में (जब तक तालिबान भस्मासुर नहीं बन गया और उनके जन्मदाता अमरीकी साम्राज्यवाद उनसे नाराज नहीं हो गए) 15 अगस्त 2021 में अमेरिका द्वारा उनको काबुल का शासन सौंपने के बाद दूसरे कार्यकाल में घोर प्रगतिशील विरोधी, मध्य युगीन प्रतिक्रियाशील लिबेरा धार्मिक कानूनों और घोषणा लिबेरा विरोधी कानूनों को लागू किया। तालिबान ने बहुत क्रूर अंधधुनिक तरीके से अपने विरोधियों, बड़ी संख्या में लिबेराओं, बच्चों को मार डाला और इस तरह से एक प्रगतिशील शक्ति अफगानिस्तान को पेट में छेड़ने जहाल और बर्बादी में डाल दे दिया। जब तक पाकिस्तान के धार्मिक सैन्य केंद्र से इसकी अलबर्ही चली रही तब तक तालिबान द्वारा। अब अफगान पाकिस्तान तालिबान था पैदा किए गए अहरीक-ए-तालिबान, जो पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी गतिविधियां कर रहा है उससे असलिए अब पाकिस्तान के दुश्मन और अफगानिस्तान के

तालिबानी शासकों के संबंधों में खटास आ गई है। दूसरी ओर, कुचि नात के मोदी सरकार विदेश नीति के मामले में ने केवल अपने पड़ोसी देशों से बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों से अलग-थलग पड़ गया है। इसीलिए अफगानिस्तान को पछ्यनी देने के लिए एक सहयोगी की जरूरत है। भले ही वह घोर धार्मिक कट्टरपंथी प्रयत्न-विरोधी तालिबान शासक ही क्यों न हो। तालिबान का आतंकवादी जियोनवादी इजरायल और उसके संरक्षक अमेरिकी साम्राज्यवाद द्वारा राजा को रमेशन बनाने में या मध्य पूर्व के अन्य देशों में और दुनिया भर में उसके आक्रमणों और अमेरिकी शासकों द्वारा इस्लामोफोबिया के नाम पर शोषण, लूट या दमन से कुछ लेना-देना नहीं है। इसलिए उसको भारत के घोर जन-विरोधी और मुस्लिम-विरोधी संघ परिवार या उसके मार्गदर्शन से संचालित भाजपा सरकार से हाथ मिलाते में तो खुशी ही होगी और दूसरी ओर देखिए दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने फासीवादी संगठन क्रस्स को भी कोई समस्या नहीं है। इस्लाम का झंडा फहराकर देश को मध्य युग में ले जाने वाले तालिबान से मित्रता करने में। कारण यह है कि राष्ट्र बनाकर बर्बाद करने वाले आतंकवादी तालिबान हो या मनुस्मृति आधारित हिंदुधर्म पर नए देश को लूटने वाला संघ परिवार हो दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं।

श्रद्धालुओं के स्वागत को सजता चित्रकूट- डीएम ने दिए 24 घंटे में तैयारी पूरी करने के निर्देश

- लाइटिंग व सफाई पर कड़ी निगरानी
- चिन्हित पार्किंग स्थल निःशुल्क

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दीपावली मेले के स्वागत में चित्रकूट प्रशासन पूरी रफ्तार में है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बेड़ी पुलिया, रामशैया, भरथूल और शिवरामपुर का स्थलीय निरीक्षण कर सफाई, लाइटिंग और पार्किंग व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि जहां सड़कें टेढ़ी हैं, वहां साइन बोर्ड और पोर्टबल बैरियर



मेले की तैयारियों का मुआयना करते अधिकारीगण

तत्काल लगाए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दुर्घटना का सामना न करना पड़े। डीएम ने सड़कों की सफाई व्यवस्था

को संतोषजनक बताया, परंतु जहां झाड़ियां और मिट्टी अधिक हैं, वहां रातोंरात धुलाई कर साफ-सुथरा करने के आदेश दिए। उन्होंने जिला

पंचायत राज अधिकारी को हिदायत दी कि रसिन मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए टेंट, पानी और विश्राम की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

वहीं विद्युत विभाग को निर्देश मिला कि अंधेरे में उजाला लाने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाएं। डीएम ने अधिशासी अधिकारी कर्वी से रामघाट मार्ग की लाइटिंग व्यवस्था की और मजबूत करने को कहा। स्पष्ट निर्देश दिया कि ग्राम पंचायतों के प्रधानों को जिम्मेदारी सौंपी जाए कि रास्तों में लाइटिंग की कोई कमी न रहे। 20 किए गए हैं, जिन पर डीएम ने आदेश दिया कि किसी प्रकार का शुल्क न लिया जाए और व्यवस्थाएं बेहतरीन हों। साथ ही जल संस्थान को आदेश दिया गया कि परिक्रमा मार्ग के टूटे नल ठीक किए जाएं, टैंकों को रंग कर आकर्षक रूप दिया जाए, और यदि मोबाइल टॉयलेट कम हों तो अन्य जिलों से मांग की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी पूजा साहू और सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।



बच्चों को खेल किट बांटते अधिकारीगण

खेल से राष्ट्र निर्माण की राह- चित्रकूट में युवाओं को मिला योगी का तोहफा

चित्रकूट। खेलों के माध्यम से युवाशक्ति को नई दिशा देने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुहिम अब गांव-गांव तक पहुंच रही है। लखनऊ मुख्यालय से मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा युवक एवं महिला मंगल दलों को खेल सामग्री किट वितरण का शुभारंभ किया गया, जिसका लाइव प्रसारण चित्रकूट जनपद में देखा गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल

कौर, भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल और युवा कल्याण अधिकारी शैलेश उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पांच पुरुष और पांच महिला प्रतिभागियों को खेल सामग्री किट वितरित की गई। महिला वर्ग से राधा देवी, वंदना, नम्रता, रोशनी और अनूपा, वहीं पुरुष वर्ग से संजय, भारत,

भीम, फहीम खान, प्रियांशु और धर्मेन्द्र को चयनित किया गया। नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री का उद्देश्य है कि प्रदेश के हर कोने से खिलाड़ी निकले, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करें। सरकार द्वारा युवाओं को खेलों में प्रोत्साहित करने हेतु संसाधन, प्रशिक्षण और मंच उपलब्ध कराना एक ऐतिहासिक कदम है।

कॉन्ट्रैक्टुअल गुलामी की जंजीर- लोकतंत्र का नया आउटसोर्सिंग मॉडल- लाठी, डंडा और निष्कासन

निरंजन पाण्डेय

- क्या लौट आया बंधुआ मजदूरी का दौर?
- 6000 का मजदूर, मानव नहीं वस्तु?
- प्रशासन की नई नीतिगत क्रूरता?

चित्रकूट। आज प्रशासन ने सारे पदों को आउटसोर्सिंग-युग में धकेल कर एक घातक प्रयोग आरम्भ कर दिया है- जिसे सरल भाषा में कहा जाए तो कॉन्ट्रैक्टुअल मॉडल = लाठी-दंडा-निष्कासन का तंत्र बन गया है। पहले जहां सरकारी नौकरी सम्मान और सुरक्षा देती थी, अब वही पद ऐसे बंदोबस्तों में डाले जा रहे हैं जहाँ कर्मचारी को सिर्फ काम करने की मशीन समझा जाता है, उसकी गरिमा, अधिकार और आवाज को मिटा दिया जाता है। अगर कोई अपने हक के लिए बोले तो जवाब मिलता है- सरेंआम गाली, फिजिकल यातना और नौकरी से बेदखल? यह कोई व्यक्तिगत दुर्व्यवहार नहीं, बल्कि सिस्टमेटिक नीति का अनौपचारिक परिणाम दिखता है- ऐसी ही परिस्थितियाँ

बनती हैं जहाँ पीड़ित काटो तो खून नहीं जैसी हालत में फंसा रहता है- मतलब न घर का, न घाट का- नौकरी भी गई और सम्मान भी खोया। सवाल है कि क्या यह वही चेहरा है, जब सस्ते दाम पर मानव शक्ता खरीदी जाती थी और जब मन करे छोड़ दिया जाता था? आज भी अगर अधिकारी को सेवा संतोषजनक नहीं लगे तो एक

क्लिक में भगा देना, चाहे किसी ने एक साल काम किया हो या दस साल- क्या यही शासन का नया स्वरूप है? पंचायत सहायकों और निचले कर्मचारियों की यह चीख सिर्फ व्यक्तिगत दर्द नहीं, यह उस लोकतंत्र की आत्मा पर चोट है जो कानून और संवैधानिक सुरक्षा का वादा करती है। अगर शासन का मॉडल मानव गरिमा और कानूनी सुरक्षा पर टिका नहीं रहेगा, तो शब्दों में लोकतंत्र रह जाएगा और व्यवहार में अफसरशाही- जहाँ हुकूमत का अधिकार नहीं, अपमान हावी रहेगा। प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व से मांग उठती है- तत्काल पारदर्शिता, नियमितीकरण के स्पष्ट मानदंड, और अनुचित निष्कासन पर जीरो टॉलरेंस की सख्त गारंटी- वरना यह कॉन्ट्रैक्टुअल मॉडल रोजगार का नहीं, दासत्व का नया अध्याय बन कर रह जाएगा।

डॉ बीडी पॉलसन ने रिक्रूट आरक्षियों को दी टीमवर्क और सेवाभाव की सीख



कार्यक्रम में मौजूद एडीजी व अन्य अधिकारीगण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस लाइन में सोमवार को एडीजी डॉ बीडी पॉलसन ने जोरदार निरीक्षण किया और प्रशिक्षण केंद्र में रिक्रूट आरक्षियों की ड्रिल देखी। निरीक्षण के दौरान डॉ पॉलसन ने गुणवत्ता, अनुशासन और

समयबद्धता पर विशेष जोर दिया, ताकि युवा आरक्षी न सिर्फ कर्तव्यनिष्ठ बनें बल्कि अपने काम में परिपक्वता और जिम्मेदारी का अनुभव करें। उन्होंने रिक्रूट आरक्षियों को टीमवर्क और सेवाभाव का पाठ पढ़ाते हुए प्रेरित किया कि पुलिस सेवा केवल कानून तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की रक्षा और

जनता के विश्वास का आधार है। एडीजी ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण केवल शारीरिक क्षमता का विकास नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और नैतिक मूल्यों का संपूर्ण निर्माण होना चाहिए। इस निरीक्षण ने पुलिस लाइन में अनुशासन और समर्पण की नई लहर पैदा कर दी।

सेवा की राह पर थके कदम, फिर भी मंच पर मिला तिरस्कार का जख्म

चित्रकूट। जिस धरती पर मयार्दा, वफा और अनुशासन को राजनीति की रीढ़ माना जाता रहा, वहाँ आज एक कठोर साजिश-सी हवा बह रही है- जहाँ जीवन समर्पित कर देने वाले वरिष्ठ नेता को अपनी ही पार्टी के मंच पर अपमान सहना पड़ रहा है। यह वही पूर्व सांसद है जिसने सच्ची निष्ठा से संगठन के हर अंश में सेवा की- विधान सभा से लेकर संसद तक, और संगठन की ढलाई में अपनी उम्र बिता दी, पर जब टिकट की बात चली तो उसे धरना देना पड़ा, अदय्य संघर्ष के बाद भी पार्टी ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसकी वे हकदार थे। इधर वह नेता आज बड़े मंच पर खड़े होकर स्वयं ही

- वफा अब कीमत पर नापी जाएगी?
- नोटों के खेल में निष्ठा का मोल
- संगठन की शान पर सवाल

तख्त-पटवार मांगने को विवश है -क्या यह वही निष्ठावान कार्यकर्ता है जिसकी उम्मीदों पर संगठन ने पत्थर फेका? सवाल घोर है- क्या अब पार्टी का आला-कमान यही संकेत दे रहा है कि सम्मान के लिये नोटों की गड्ढी जरूरी है? और उन दलित-गरीब, निम्नवर्तन कर्मियों के लिये जो इस संगठन में उम्मीद लेकर आते हैं, क्या यह

संदेश होगा- कि जीवन समर्पण कर भी कसौटी पर टिके रहना पड़ेगा? जब वरिष्ठ नेता को मंच पर अपने हक के लिये खुद आना पड़ा, तो क्या किसी जिला अध्यक्ष या अन्य नेताओं में शिद्दत नहीं थी जो न्याय और मयार्दा की आवाज उठा पाते? यह केवल एक व्यक्तिगत अपमान नहीं, यह उस पूरे ढाँचे की पोल खोलता है जहाँ सेवा का फल अब मेल-खैनी के खेल में बदलता दिखता है। संगठन के आला कमान से अब ईमानदार जवाब चाहिए- क्या वफा की कीमत नोटों से नापने का नया दौर शुरू हो गया? आखिर क्यूँ एक सम्मानित नेता को खून का घुंट बार बार पीना पड़ रहा है?

25 अक्टूबर तक सुधर सकेंगे नाम और विवरण- यूपी बोर्ड ने खोली वेबसाइट

चित्रकूट। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने सूचित किया है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए छात्रों के शैक्षिक विवरणों में सुधार का अवसर दिया गया है। बोर्ड की वेबसाइट यूपीएमएसपी पर 11 से 25 अक्टूबर 2025 की मध्यरात्रि तक ऑनलाइन सुधार किए जा सकेंगे। नाम, माता-पिता के नाम, विषय, फोटो, जेंडर, जाति या पंजीकरण क्रमांक में किसी भी त्रुटि को संबंधित प्रधानाचार्य के माध्यम से लॉगइन कर सुधारा जा सकता है। जन्मतिथि या पूर्ण नाम में बदलाव जैसी ऑफलाइन त्रुटियों के लिए आवश्यक प्रपत्रों सहित आवेदन 31 अक्टूबर तक डीआईओएस कार्यालय में जमा करने होंगे। स्पष्ट चेतावनी दी कि समय सीमा समाप्त होने के बाद किसी भी संशोधन का अवसर नहीं दिया जाएगा।

दीपावली में लाखों श्रद्धालु करेंगे पंचकोसी परिक्रमा पर रास्ते में गंदगी और अंधेरा- प्रशासन मौन

- सैकड़ों साल पुरानी परंपरा उपेक्षा की शिकार
- सीएम पोर्टल में कई बार हुई शिकायत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दीपावली जैसे पावन पर्व पर जब पूरी तीर्थनगरी प्रकाश और आस्था में नहाने को तैयार है, तब पंचकोसी परिक्रमा मार्ग उपेक्षा की अंधेरी सुरंग में फंसा हुआ है। हर साल एक लाख से अधिक श्रद्धालु इस ऐतिहासिक मार्ग पर पैदल परिक्रमा करते हैं, लेकिन इस बार भी प्रशासन की आँखों पर लापरवाही की पट्टी बंधी है। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कहा कि दीपावली के अवसर पर सैकड़ों वर्षों से चल रही पंचकोसी परिक्रमा की राह अब खतरनाक बन चुकी है। कलेक्ट्रेट मार्ग से गणेशबाग, सिद्धपुर, बकिसिद्ध, देवांगना होते हुए हनुमानधारा तक जाने वाले मार्ग में गड्ढे, चारा और गंदगी के ढेर



घास और बिना लाइटिंग के जंगल बना मार्ग

श्रद्धालुओं की आस्था का मजाक उड़ा रहे हैं। सिद्धपुर मार्ग तो जगह-जगह दलदल में बदल गया है, जबकि बकिसिद्ध आश्रम की सीढ़ियों के पास चारे और बांसों की सफाई तक नहीं कराई गई। अजीत सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पोर्टल और पंचायतीराज विभाग को कई बार शिकायत की गई, लेकिन जवाब आज तक नहीं आया। जल निगम के पम्प हाउसों में अंधेरा पसरा है, जहाँ रोशनी की व्यवस्था

तक नहीं की गई। चेतावनी दी है कि यदि दीपावली अमावस्या से पहले रास्ते की मरम्मत, सफाई और प्रकाश व्यवस्था नहीं कराई गई, तो यह प्रशासनिक असंवेदनशीलता आस्था पर कलंक बन जाएगी। बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी से मांग की है कि सभी विभागों को तत्काल निर्देश देकर पंचकोसी परिक्रमा मार्ग को सुव्यवस्थित कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

काली घाटी में सड़क पर हादसे का खौफनाक दृश्य, तेज रफ्तार ट्रक पलटा, ड्राइवर गंभीर

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर क्षेत्र की काली घाटी सोमवार सुबह एक खौफनाक हादसे का गवाह बनी, जब ब्रेक फेल होने के कारण तेज रफ्तार मालवाहक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक मानिकपुर की ओर बढ़ रहा था, लेकिन तीखे मोड़ पर पहुँचते ही चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की कोशिश की, पर पलटने से बचाव असंभव था। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घायल चालक को तत्परता से मानिकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई। हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और ब्रेक प्रणाली की अनदेखी की गंभीर चेतावनी पेश की।

विकसित भारत बिल्डथॉन में बालिकाओं का जोश- मोदी के संदेश से गूंजा कर्वी



कार्यक्रम में मौजूद अधिकारीगण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी में सोमवार को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत बिल्डथॉन-2025 कार्यक्रम का लाइव प्रसारण उत्साहपूर्वक देखा गया। बालिकाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

का अभिभाषण बड़े गौर से सुना और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेन्द्र कोटार्य ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष रवि गुप्ता और नगर अध्यक्ष रविशंकर मौजूद रहे। संचालन शिक्षिका नीलम जैन ने किया और प्रधानाचार्या

शशिकला सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार जताया। इस मौके पर शिक्षिकाएँ रश्मि बाजपेयी, गरिमा सिंह, प्रज्ञा पाठक, रीतु द्विवेदी, नेहा विश्वकर्मा, शालिनी देवी, चन्द्रभागा और शोभा सहित बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। बालिकाओं की देशभक्ति और ऊर्जा ने विद्यालय परिसर को विकसित भारत के सपने से सराबोर कर दिया।

विद्यालय का विलय, ग्रामीणों का गुस्सा और अनिश्चितकालीन धरना

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। राजापुर विकासखंड के खरुही गांव में ग्रामीणों का आक्रोश अपने शिखर पर है। सोमवार को ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी (एसडीएम) राजापुर को ज्ञापन सौंपते हुए अपने प्रधानमंत्री प्राथमिक विद्यालय के दूसरे स्थान पर विलय का विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि अब उनके छोटे बच्चे लगभग 2 किलोमीटर दूर के विद्यालय में पढ़ाई के लिए पैदल जाएंगे, जहाँ रास्ते में कालेदार पेड़, टूटी सड़कें, नाले और जहरीले जानवर बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने इस विलय को वापस नहीं लिया, तो वे अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। ज्ञापन सौंपते समय अमर सिंह, बरम दिन, राम

- 2 किलोमीटर की स्कूल की राह
- खारुही ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी
- एसडीएम को ज्ञापन लेकर पहुंचे

सिया सहित सैकड़ों ग्रामीण और बच्चे मौजूद रहे, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य और जीवन की सुरक्षा को लेकर सरकार से जवाब मांगा। ग्रामीणों का आक्रोश इतना गहरा है कि उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे अपने बच्चों की जान को खतरे में नहीं डालेंगे और विद्यालय को बहाल कराने के लिए हर संभव आंदोलन करेंगे।



स्कूल विलय के विरोध में प्रदर्शन करते बच्चे

खालिस्तान समर्थकों को कड़ा संदेश, जयशंकर-अनीता की बैठक में नया रोडमैप हुआ तैयार



कनाडा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को दिल्ली में अपनी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद के साथ द्विपक्षीय बैठक की। आनंद के साथ अपनी बातचीत पर प्रकाश डालते हुए, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच संबंध लगातार आगे बढ़ रहे हैं और भारत साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज की हमारी बैठक 26 मई को हमारी टेलीफोन कॉल के बाद से चल रही रचनात्मक बातचीत को आगे बढ़ाती है। पिछले दो महीनों में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्रों को बहाल करने और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों को दोनों प्रधानमंत्रियों की अपेक्षाओं तथा भारत और कनाडा के लोगों के हितों को पूरा करने पर विचार करना चाहिए। विदेश मंत्रियों के रूप में हमारी जिम्मेदारी हमारे सहयोग के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया

का नेतृत्व करना और यह सुनिश्चित करना है कि यह हमारे प्रधानमंत्रियों की अपेक्षाओं और हमारी जनता के हितों पर खरा उतरे। इसका अर्थ केवल अपने विशिष्ट क्षेत्राधिकार में पहेल करना ही नहीं है, बल्कि सरकार के संपूर्ण कार्यक्षेत्र में परस्पर क्रियाओं की निगरानी और एकीकरण करना भी है। मैं आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूँ... हम (भारत-कनाडा) आज बढ़ती हुई व्यापकता और गहराई वाली मजबूत साझेदारियाँ बनाकर अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को जोखिम मुक्त करना चाहते हैं। आगे की रूपरेखा का खुलासा करते हुए जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। आज की हमारी बैठक के लिए, दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, असेन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है।

इजरायली संसद में ट्रंप दे रहे थे भाषण, तभी नरसंहार का बोर्ड लेकर पहुंचा सांसद

इजराइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इजराइली संसद में संबोधन में प्रदर्शनकारियों ने कुछ देर के लिए बाधा डाली। भाषण में बाधा डालने के बाद नेसेट के एक सदस्य को तुरंत निष्कासित कर दिया गया। संयुक्त हवाश-ताअल पार्टी के सदस्य ओफर कासिफ और आयमन ओदेह को बाहर निकाला गया, जिनमें से एक ने नरसंहार लिखा एक छोटा सा बोर्ड पकड़ा हुआ था। सुरक्षाकर्मों तेजी से आगे बढ़े और उन्हें बाहर निकाला, जबकि ट्रंप मंच पर खड़े होकर कार्यवाही देख रहे थे। जब उन्हें हटाया जा रहा था, तो नेसेट के अन्य सदस्य ट्रंप! ट्रंप! ट्रंप! के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों को कितनी जल्दी हटाया गया, इस पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा



यह बहुत प्रभावी था। अपने एक्स अकाउंट पर ओडह ने लिखा कि इस प्लेनम में जो पाखंड दिखा, वह असहनीय है। एक सुनिश्चित समूह के जरिए नेतन्याहू को

ट्रंप के पास चीन से ज्यादा ऑप्शंस, इजरायली संसद में ट्रंप का सम्मान, नेतन्याहू ने बताया सबसे अच्छा मित्र वेंस ने बीजिंग को चेताया

चीन टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को व्यापार समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने के लिए खुलेपन का संकेत दिया। हालाँकि, दोनों नेताओं ने चेतावनी दी कि बीजिंग द्वारा हाल ही में घोषित निर्यात निरंत्रण वार्ता में एक बड़ी बाधा हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दुनिया की दो प्रमुख

अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध में चीन से तर्क का रास्ता चुनने का आह्वान किया। वेंस ने आगे दावा किया कि दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध के लंबे समय तक जारी रहने के बीच व्यापार वार्ता में ट्रंप का प्रभाव ज्यादा है। वेंस के इस बयान के कुछ ही घंटों बाद, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टुथसोशल पर एक बयान साझा किया, जिसमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए संभावित ऑफ-रैंप का संकेत दिया गया, साथ ही एक परोक्ष धमकी भी दी गई कि एक पूर्ण व्यापार युद्ध

चीन को नुकसान पहुँचाएगा। उन्होंने रविवार को पोस्ट में लिखा कि चीन की चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा! राष्ट्रपति शी जिनपिंग का हाल ही में एक बुरा दौर आया है। वह अपने देश के लिए मंदा नहीं चाहते, और न ही मैं। अमेरिका चीन की मदद करना चाहता है, उसे नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता। ट्रम्प और वेंस दोनों की टिप्पणियों से यह प्रतिबिम्बित हुआ कि अमेरिका अभी भी चीन पर उसके हालिया व्यापारिक कदमों को वापस लेने के लिए दबाव बनाए रखना चाहता है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर

योग सत्संग समिति

द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा, प्रयागराज से मुद्रित

एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान

झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

से प्रकाशित

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक

अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:

9565333000

Email:

akhandbharratsdesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र

प्रयागराज होगा



इजराइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सोमवार को इजराइली संसद (नेसेट) में खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट और सांसदों की गर्मजोशी से सराहना मिली। सत्र के दौरान, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी को अमेरिका-इजराइल संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। ट्रम्प के भाषण से पहले, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बेहद भावुक और चुनौतीपूर्ण भाषण दिया, जिसमें उन्होंने इजराइल के प्रति ट्रम्प के अटूट समर्थन और क्षेत्रीय सुरक्षा में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। नेतन्याहू ने कहा,अब्राहम समझौते की मध्यस्थता करने, विनाशकारी ईरान परमाणु समझौते से हटने, ऑपरेशन राईजिंग लायन



का समर्थन करने और ऑपरेशन मिडनाइट हैमर शुरू करने के आपके साहसिक निर्णय के लिए धन्यवाद... आधी रात के कुछ देर बाद, आपने वास्तव में उन (ईरान) पर प्रहार किया। उन्होंने ट्रम्प को "व्हाइट हाउस में

चार महीने में America को तीन झटके देकर पीएम ने क्या संकेत दिया ?

मिश्र विश्व के कई नेता आज मिश्र में एकत्रित हुए हैं, जहां अमेरिका द्वारा मध्यस्थता की गई गाजा शांति योजना के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए उच्च स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस सम्मेलन में मिश्र के राष्ट्रपति अब्देल फताह अल-सिसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सह-अध्यक्षता कर रहे हैं। साथ ही तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी सम्मेलन में मौजूद हैं लेकिन इस महत्वपूर्ण मंच पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैर-मौजूदगी ने कूटनीतिक दृष्टि से कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मोदी की अनुपस्थिति में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किया। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में आमंत्रित

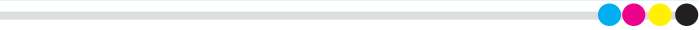
किया गया था, फिर भी उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। देखा जाये तो इस फैसले के पीछे कई परतें हैं, जो केवल औपचारिकता या व्यस्त कार्यक्रम से अधिक हैं। सबसे प्रमुख कारण पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का सम्मेलन में उपस्थित होना हो सकता है। अप्रैल में पहलगाम हमले और उसके बाद भारतीय सैन्य प्रतिक्रिया द्वाऑपरेशन सिंदूरूह ने दोनों देशों के बीच तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। ऐसे में भारत संभवतः यह संदेश देना चाहता है कि वह पाकिस्तान के साथ सौदेसय नहीं है अपनी स्थिति स्पष्ट रखता है और किसी मंच पर शाहबाज शरीफ के साथ सार्वजनिक रूप से उपस्थित होने से हिम आएको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी हम आपको याद दिला दें कि पाकिस्तान



समर्थित आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मृत्यु ने भारत को सख्त कदम उठाने के लिए प्रेरित किया था। इसके तहत सिंधु जल संधि को निलंबित करना और अटारी-वाघा सीमा चौक को बंद करना जैसे कदम शामिल हैं। इस पृष्ठभूमि में मोदी का मिश्र नहीं जाना न केवल एक संवेदनशील सुरक्षा संकेत है, बल्कि यह

दिखाता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा प्राथमिकताओं को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच से ऊपर रखता है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण कारक रही होगी। दरअसल ट्रंप पिछले कुछ महीनों में बार-बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त करने में भूमिका निभाई है। भारतीय कूटनीति इस प्रकार के द्वाफोटो-ऑपेक और झूठे शांति दावों से सावधान रही है। मोदी की गैर-मौजूदगी इस संदेश को भी स्पष्ट करती है कि भारत अपनी संप्रभुता और सैन्य निर्णयों पर किसी बाहरी हस्तक्षेप के स्वीकार नहीं करता। यह रणनीति मोदी को पिछली यात्राओं से भी मेल खाती है। सितम्बर में संयुक्त राष्ट्र

महासभा के वार्षिक अधिवेशन और जून में जी-7 सम्मेलन के दौरान उन्होंने अमेरिका जाने से परहेज किया था। विशेष रूप से जी-7 सम्मेलन के समय ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान विवाद के समाधान के दावे के बीच मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के निमंत्रण के बावजूद वाशिंगटन नहीं गये थे। यह दिखाता है कि मोदी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राजनीति के झूमे से बचते हुए, अपने देश की कूटनीतिक स्वायत्तता पर केंद्रित हैं। मोदी की यह कूटनीति न केवल पाकिस्तान के प्रति स्पष्ट संदेश देती है, बल्कि यह अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ भारत की रणनीतिक बातचीत को परिपक्वता को भी दर्शाती है। यह दृष्टिकोण मोदी को भारत और अमेरिका के संबंधों में नरमी आई है।



आतंकवाद से दूर रहें, इजरायल से फिलिस्तीनियों को ट्रंप की नसीहत, ईरान, रूस, चीन को भी दिया मैसेज

अमेरिका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में दो साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम समझौता कराने में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के शानदार काम की सराहना की और इसे एक नए मध्य पूर्व की ऐतिहासिक सुबह बताया। युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता करने वाले ट्रंप ने कहा कि बचे हुए 20 इजराइली बंधकों की रिहाई लंबे समय से संघर्ष से ग्रस्त इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने यरुशलम में उत्साहित नेसेट सदस्यों से कहा, बंधक वापस आ गए हैं। यह कहते हुए बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज से आने वाली कई पीढ़ियों को यह उस पल के रूप में याद रहेगा जब सब कुछ बदलने लगा, और बहुत बेहदरी के लिए। इजराइल ने 154 फिलिस्तीनी कैदियों को मिश्र भेजा

एक मिश्र के अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इजराइल द्वारा रिहा किए गए 154 फिलिस्तीनी कैदियों को मिश्र भेज दिया गया है। ये कैदी उन 1,900 से ज्यादा फिलिस्तीनियों में शामिल हैं जिन्हें इजराइल ने हमला द्वारा अपने शेष बंधकों की रिहाई के बदले रिहा किया है। इस अधिकारी ने, जो इस समझौते के कार्यान्वयन की प्रत्यक्ष जानकारी रखते हैं, बताया कि रिहा किए गए कैदियों को इजराइल और हमला के बीच युद्धविराम समझौते के तहत तीसरे देशों में भेजा जाना था। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर यह बात कही क्योंकि उन्हें मीडिया को जानकारी देने का अधिकार नहीं था। इस बीच, अन्य फिलिस्तीनी कैदी अपनी रिहाई के बाद गाजा पहुंच गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने फिलिस्तीनियों से 'आतंकवाद से दूर रहने' का आग्रह किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए गाजा में हाल



ही में हुए युद्धविराम की सराहना करते हुए कहा कि फिलिस्तीनी लोगों को "आतंकवाद और हिंसा" से दूर रहने का विकल्प चुनना चाहिए। उन्होंने कहा

फिलिस्तीनियों के लिए विकल्प इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता। यह उनके लिए आतंक और हिंसा के रास्ते से हमेशा के लिए हटने का मौका है। अपने भाषण के दौरान,

डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हजोग से बेंजामिन नेतन्याहू को माफ करने का आग्रह किया, जिन पर कथित भ्रष्टाचार का मुकदमा चल रहा है। सिगार और थोड़ी शैपिन - किस परवाह है ?उन्होंने नेतन्याहू पर लगे धोखाधड़ी के आरोपों का जिक्र किया, जिनसे वे इनकार करते हैं। रूस, चीन, ईरान को मैसेज ट्रंप ने ईरान, रूस, चीन को मैसेज देते हुए कहा कि देशों को हथियार बनाने के बजाय स्कूलों और मेडिकल पर पैसा खर्च करना चाहिए। हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि मिडिल ईस्ट के देशों को दुश्मन बनाना बंद कर देना चाहिए और तरक्की के मौकों पर मिलकर काम करना चाहिए। अगर हम हथियार बनाने की बजाय स्कूलों पर खर्च करेंगे, इंटरस्ट्री लगाएंगे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर खर्च करेंगे तो इससे हमारे लोगों को लाभ होगा।

मौत का तांडव, सेना ने सैकड़ों लोगों को भूना!

1500 लोग घायल



पाकिस्तान पाकिस्तान में इस वक्त हालात बिगड़े हुए हैं और हमले पर हमले हो रहे हैं। अफगानिस्तान के काबुल में हमले के बाद तालिबान का कहर पाकिस्तान पर टूट रहा है। पाकिस्तान के 58 से ज्यादा सैनिक मारे गए। कई आर्मी की चौकियों को भी उड़ा दिया। लेकिन अब पाकिस्तान से ऐसी खबर आ रही है, जिसने हर किसी को चौंका दिया है। पाकिस्तान में इस वक्त ऐसा गुह युद्ध छिड़ा है कि लाशों के ढेर लग गए हैं। दरअसल, मुरीदके में पाकिस्तानी कट्टरपंथी संगठन तहरीक ए लब्बेक पाकिस्तान यानी टीएलपी के प्रदर्शनकारियों पर भयंकर गोलियां बरसाई हैं। खबर है कि पाकिस्तानी सेना ने 300 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को भूनेते हुए मौत के घाट उतार दिया है। वहीं 2000

लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ये हिंसा उस वक्त हुई जब टीएलपी के सैकड़ों समर्थक गाजा के समर्थन में इस्लामाबाद की ओर मार्च कर रहे थे। मौत के इस तांडव ने पूरे पाकिस्तान में भगदड़ मचा दी है। इतने बड़े नरसंहार के बाद पाकिस्तान के कई शहर बुरी तरह से जल उठे हैं। लाहौर से करांची और इस्लामाबाद सब जगह पाकिस्तान में बारूद का धुंआ उठा हुआ है। खासकर पाकिस्तान के बड़े शहर लाहौर में बड़ा खून खराबा हो रहा है। यहां टीएलपी के उग्र कार्यकर्ता, सेना और पुलिस के बीच जबरदस्त मारकाट चल रही है। पाकिस्तानी सेना प्रदर्शनकारियों पर कहर बरपा रही है। पाक रेंजर्स ने बख़राबंद वाहनों के जरिए 70 लोगों को कुचल दिया है।